सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 11 ● अंकः 203 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार 30 अगस्त, 2025

मूल्य ₹ 3/-

कृत्रिम सुख की बजाए ठोस उपलब्धियों के पीछे समर्पित रहिये।

-डॉ. अब्दुल कलाम

नमन व कपिल का कमाल, नोएडा... 7 | एकबार फिर ऑपरेशन लोटस और... 3 | नौकरी के नाम पर युवाओं को... 2

उप्र ने भाजपा को अवध से भगाया मगध से भगा दे बिहार : अखिलेश

वोटर अधिकार यात्रा में शामिल हुए सपा प्रमुख

- बिहार में विपक्ष का बीजेपी पर जबर्दस्त अटैक
- बिहार में दिखा सपा मुखिया का क्रेज, भारी भीड़ उमड़ी
- 65 लाख वोट कटने के बाद शुरू हुई यात्रा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राहुल गांधी की बिहार में वोटर अधिकार यात्रा चालू है और उनकी इस यात्रा को विपक्षी नेताओं का सपोर्ट मिल रहा है। आज यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव भी बिहार पहुंचे और इस यात्रा का हिस्सा बने। बिहार पहुंचे सपा प्रमुख ने एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बात करते हुए ऐसा बयान दे दिया जो तेजी से वायरल हो गया। उन्होंने कहा कि सपा ने बीजेपी को अवध से बाहर कर दिया है, आप लोग इन्हें मगध से बाहर कर दो।

गौरतलब है कि राहुल गांधी की इस यात्रा को जहां आम बिहारवासियों का समर्थन मिल रहा है वही स्तालिन, ममता और अखिलेश यादव भी खूब जोर लगा रहे हैं। चुनाव आयोग की ओर से 65 लाख मतदाताओं के तथाकथित नाम काटे जाने के विरोध में राहुल गांधी ने इस वोट अधिकार यात्रा की शुरूआत की थी। यह यात्रा अब अपने अंतिम चरण में है। आज राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के नेतृत्व में यह यात्रा सारण से शुरू हुई। सपा प्रमुख अखिलेश यादव सुबह पटना से सीवान पहुंचे। यहां से वह राहुल गांधी, तेजस्वी यादव, रोहिणी आचार्य समेत इंडिया गठबंधन के दूसरे नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ वोटर अधिकार यात्रा में शामिल हुए। अखिलेश यादव भोजपुर जिले तक राहुल-तेजस्वी के साथ चले।

घपला तिकड़ी मिलकर वोट डकैती कर रही है : अखिलेश

सपा प्रमुख अखिलेश यादव शनिवार सुबह पटना से सीवान पहुंचे। यहां से वह राहुल गांधी, तेजस्वी यादव, रोहिणी आचार्य समेत इंडिया गठबंधन के वरीय नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ वोटर अधिकार यात्रा में शामिल हुए। अखिलेश यादव भोजपुर जिले तक राहुल-तेजस्वी के साथ चलेंगे। अखिलेश यादव ने कहा कि इस विधानसभा चुनाव में बिहार भाजपा की हार लिखेगा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा-चुनाव आयोग और अधिकारी की 'घपला तिकड़ी' मिलकर वोटों की डकैती कर रही है। दरअसल यह वो तीन तिगाड़ा है, जिनकी साठगांठ ने देश का वर्तमान-भविष्य बिगाड़ा है। भाजपा अपने भोले भाले समर्थकों के भोलेपन का भी दुरुपयोग, अपने भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए, दुष्प्रचार के लिए करती है।

इस यात्रा से उड़ी एनडीए-भाजपा की नींद : तेजस्वी

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को भाजपा नीत राजग पर तीखा हमला बोलते हुए दावा किया कि चल रही मतदाता अधिकार यात्रा ने सत्तारूढ़ गठबंधन को हिलाकर रख दिया है। यादव ने दावा किया कि राजग चाहे कितनी भी कोशिश कर ले, वह बिहार में सत्ता हासिल नहीं कर पाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा डरी हुई है और इस ऐतिहासिक यात्रा की वजह से राजग बहुत बेचैन हो गया है। वे अपनी तरफ से हरसंभव कोशिश कर रहे हैं और हमारी हर चीज़ पर नज़र है। वे चाहे कितनी भी कोशिश कर लें, वे बिहार में सत्ता में वापस नहीं आएंगे।

नहीं चोरी होने देंगे वोट : राहुल

राहुल ने यात्रा के दौरान ताल ठोक कर दावा किया है कि वह इस बार बिहार में वोट चोरी नहीं होने देंगे। उनके इस दावे का असर है कि चुनाव आयोग पहले से ज्यादा सर्तक है और जिन राज्यों में आगे चुनाव होना है और वहां वोटर? लिस्ट पर काम हो रहा है तो वहां से सर्तकता बरते जाने की बात सामने आ रही है।

17 अगस्त से शुरू हुई थी यात्रा

राहुल गांधी की यह यात्रा बिहार के सासाराम से 17 अगस्त से शुरू हुई थी। 16 दिनों तक चली इस यात्रा में राहुल गांधी के अलावा तेजस्वी यादव, प्रियंका गांधी वाड्रा, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना के मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव जैसे प्रमुख नेता शामिल हुए। यात्रा का मुख्य उद्देश्य चुनाव आयोग द्वारा किए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण एसआइआर प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं के खिलाफ जन जागरूकता फैलाना था। कांग्रेस का दावा है कि पहले ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से 65 लाख से अधिक वोटरों के नाम हटा दिए गए हैं।

बीजेपी ने भविष्य खराब कर डाला

अखिलेश यादव को देखने और सुनने के लिए सारण में उतनी ही भीड़ दिखाई दी जितनी यूपी के इटावा, लखनऊ में होती है। लोगों में अखिलेश के प्रति जबर्दस्त क्रेज रहा और उनके समर्थन में खूब नारेबाजी कि गयी। उनका जगह-जगह स्वागत सत्कार हुआ और जिंदाबाद के नारे लगे।

अखिलेश यादव ने मंच से बोलते हुए कहा कि इस विधानसभा चुनाव में बिहार भाजपा की हार लिखेगा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा-चुनाव आयोग और अधिकारी की घपला तिकड़ी मिलकर वोटों की डकैती कर रही है। दरअसल यह वो तीन तिगाड़ा है जिनकी साठगांठ ने देश का वर्तमान भविष्य बिगाड़ा है। भाजपा अपने भोले भाले समर्थकों के भोलेपन का भी दुरुपयोग अपने भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए दुष्प्रचार के रूप में करती है।

झूठ के प्रचार की खेती कर रही है भाजपा

अखिलेश यादव ने कहा कि पढ़े-लिखे लोग भी एक बार दिल पर हाथ रखकर सोचें कि साम्प्रदायिक राजनीति की घुट्टी पिलाकर भाजपा और उनके संगी-साथियों ने किस तरह उनके ज्ञान और विवेक को बंधक बना लिया है। भाजपा ऐसे लोगों को भी अपने झूठ के प्रचार की खेती में, नफ़रती व्हाट्सएप मैसेज और मिथ्या-संदेशों को आगे बढ़ाने के लिए खाद की तरह इस्तेमाल करती है।

नौकरी के नाम पर युवाओं को ठग रही बीजेपी : अखिलेश यादव

» सपा प्रमुख बोले- रोजगार मेला भाजपा के लिए केवल एक इवेंट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख आखिलेश यादव का भाजपा सरकार हमला जारी है। उन्होंने राजधानी लखनऊ में आयोजित तीन दिवसीय रोजगार महाकुंभ पर सरकार को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के लिए रोजगार मेला सिर्फ एक इवेंट है। आरोप लगाया कि नौकरी के नाम पर युवाओं को ठगा जा रहा है। लगता है भाजपा के लोग विदेश में नौकरी के नाम पर प्लेसमेंट एजेंसी के एजेंट बनकर नाममात्र के वेतन पर युवाओं की मजबूरी का फायदा उठा रहे हैं।

अखिलेश यादव ने जारी बयान में कहा कि भाजपा के लिए नौकरी भी एक जुमला है। लेकिन, प्रदेश के सचेत युवा झांसे में नहीं आएंगे। जहां नौ साल इंतजार किया है, कुछ दिन और कर लेंगे। चुनाव में यही युवा भाजपा सरकार का टोकन काटेंगे। सपा अध्यक्ष ने सवाल किया कि मुख्यमंत्री ये भी

बताएं कि विदेश में जाने वाले युवाओं का शोषण नहीं होगा? इसकी गारंटी कौन देगा।

लोग रोजी-रोटी की तलाश में बाहर जाने को मजबूर

उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन साबित कर रहे हैं कि निवेश और उससे सृजित होने वाला रोजगार का दावा फुस्स हो गया है। आरोप लगाया कि सरकार ने गुजरात के लोगों को कारोबार और ठेकों में उत्तर प्रदेश के लोगों से ज्यादा काम दिया। स्किल मैपिंग का कोई भी नतीजा नहीं निकला। लोग रोजी-रोटी की तलाश में बाहर जाने को मजबूर हुए।

11 वर्षों में सैकड़ों भारतीय विदेश में बस गए

सपा मुखिया ने कहा कि सरकार अरबपतियों को सकारात्मक वातावरण नहीं दे पाई। इस वजह से पिछले 11 वर्षों में ऐतिहासिक रूप से भारतीयों का विदेश पलायन हुआ है। पलायन का झूठ फैलाने वाले न तो उत्तर प्रदेश के हितैषी हैं और न ही प्रदेशवासियों के हितैषी हैं।

संघ भारतीय महिलाओं पर बोझ क्यों डालना चाहता है: ओवैसी

» एआईएमआईएम प्रमुख ने उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने सवाल उठाए हैं। ओवैसी ने कहा कि संघ भारतीय महिलाओं पर बोझ क्यों डालना चाहता है। सभी अपनी प्राथमिकताएं हो सकती हैं? संघ प्रमुख मोहन भागवत ने एक दंपती के तीन बच्चे की वकालत करते हुए कहा था कि जिस समाज में परिवारों के तीन से कम संतानें हों, उनका अस्तित्व धीरे-धीरे खत्म हो जाता है। उन्होंने आबादी नियंत्रण के साथ पर्याप्त जनसंख्या को भी देश के लिए जरूरी बताया।

असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि 2011 की जनगणना के अनुसार मुस्लिम जनसंख्या वृद्धि दर घट रही है और यह 14.23 प्रतिशत है, जबकि हिंदुओं की वृद्धि दर लगभग 80 प्रतिशत है। और संघ प्रमुख कह रहे हैं, ठीक है, तीन बच्चे पैदा करो। आप कौन होते हैं लोगों के पारिवारिक जीवन में दखल देने वाले? आप भारतीय महिलाओं पर बोझ क्यों डालना चाहते हैं, जिनकी जिंदगी की अपनी अलग प्राथमिकताएं हो सकती हैं? यह आरएसएस का दोहरा चरित्र है। आरएसएस समर्थित संगठन ही मुसलमानों के खिलाफ नफरत फैलाता है। प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में मुसलमानों के खिलाफ नफरत को संस्थागत रूप दिया गया है।

संघ प्रमुख आरएसएस के प्रचारकों से कहें कि पहले शादी करें : अजय राय

» कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने संघ प्रमुख के तीन बच्चों वाले बयान पर कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने संघ प्रमुख मोहन भागवत को लेकर बयान दिया है। पत्रकारों से कहा कि संघ प्रमुख पहले आरएसएस के प्रचारकों से कहें कि पहले शादी करें और तीन बच्चे पैदा करें। फिर बच्चों का पालन-पोषण करना होगा। आगे उनका स्कूल-कालेज होगा, तो पता चलेगा कि कैसे एक मां बाप को दिक्कत आती है।

कहा कि जब से भाजपा और संघ के लोग आएं हैं तब से महंगाई चरम पर हैं। बच्चे को पढ़ाने में पूरी तनख्वाह चली जाती है। संघ के जो लोग शादी नहीं किए हैं वे पहले शादी करें। तब इन्हें आटा दाल चावल का भाव पता चल जाएगा। संघ प्रमुख दिशा निर्देश जारी करें कि आरएसएस के लाग तत्काल शादी करें और बच्चे पैदा करें। आरएएस में तो महिलाएं हैं हीं नहीं उनका सम्मान भी नहीं होता है। बता दें कि संघ प्रमुख ने दिल्ली में कहा था कि परिवारों में तीन बच्चे होने चाहिए। लेकिन, इससे अधिक नहीं। इससे संतुलन बनाए रखने और समुचित विकास सुनिश्चित करने में मदद मिलती है। अभी जन्म दर में गिरावट आ रही है और हिंदुओं में यह गिरावट तेजी से बढ़ रही है। जिसे लेकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने अपना वक्तव्य दिया है।

मायावती ने आकाश आनंद का कद बढ़ाया

» बनाए गए बसपा के राष्ट्रीय संयोजक

» अब राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष और नेशनल कोऑर्डिनेटर करेंगे रिपोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा अध्यक्ष मायावती ने अपने भतीजे और चीफ नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद को एकबार फिर बड़ी जिम्मेदारी दी है। बसपा प्रमुख ने उन्हें राष्ट्रीय संयोजक बनाया है। इस फैसले के बाद सभी राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष और नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद को रिपोर्ट करेंगे। पार्टी सूत्रों के मुताबिक इस फैसले से आकाश का यूपी और उत्तराखंड की सियासत में भी दखल बढ़ेगा, जिसका दारोमदार फिलहाल मायावती संभाल रही थीं।

मायावती द्वारा राष्ट्रीय संयोजक बनाए जाने के बाद आकाश आनंद ने आभार व्यक्त किया है। बता दें कि मायावती ने यह निर्णय आकाश आनंद की बिहार यात्रा से पहले लिया है। बिहार में पार्टी का खाता खोलने की जिम्मेदारी आकाश को दी गई है। वह 10 सितंबर को कैमूर जिले से दस दिवसीय चुनावी यात्रा की शुरूआत करने जा रहे हैं। इस दौरान वह राज्य स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन को भी संबोधित करेंगे।

चार की जगह छह नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाए गए

वहीं इससे पहले 31 अगस्त को मुंबई में भी आकाश संगठन की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इसमें पार्टी का जनाधार बढ़ाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश देंगे। इसके अलावा पार्टी ने चार की जगह छह नेशनल कोऑर्डिनेटर बनाए हैं। इनमें रामजी गौतम, राजाराम, रणधीर सिंह बेनीवाल, लालजी मेधांकर, अतर सिंह राव और धर्मवीर सिंह अशोक शामिल हैं।

भाजपा व कांग्रेस ने देश को पीछे धकेला

पूर्व एमएलसी भीमराव आंबेडकर ने कहा कि देश में सामाजिक व आर्थिक असमानता बढ़ी है। भाजपा और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि दोनों दलों ने देश को पीछे धकेला है। भाजपा सरकार सांप्रदायिकता से बाहर नहीं निकल पाई। विचारधारा के स्तर पर पूर्व सीएम मायावती सबसे मजबूत नेता हैं, जिन्होंने चार बार उत्तर प्रदेश की सत्ता संभाली और सर्वसमाज के हित में कार्य किए। उन्होंने चुनाव आयोग की रिपोर्ट का जिक्र कर कहा कि बसपा को खत्म मानने वाले विरोधियों की नींद उड़ गई है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

छह महीने में ही भाजपा की सरकार ने दिल्ली को डुबोकर रख दिया है: आतिशी

» दिल्ली-एनसीआर में जलभराव पर आप ने खोला मोर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में भारी बारिश के कारण कई इलाकों में जलभराव की स्थिति पैदा हो गई। वहीं, जलभराव को लेकर आम आदमी पार्टी नेता और दिल्ली की पूर्व सीएम आतिशी ने भाजपा सरकार को घेरा है।

उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट कर कहा कि 6 महीने में ही भाजपा की सरकार ने दिल्ली को डुबोकर रख दिया है। इससे पहले गुरुवार को भी दिनभर बादलों की आंख मिचौली के बीच हल्की बारिश हुई थी। इस दौरान हुई कई इलाकों में हुए जलभराव और जाम से फिर दिल्लीवासी परेशान हुए। मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार बीते 24 घंटे में दिल्ली में 13.4 एमएम बारिश दर्ज की गई। गुरुवार को अधिकतम तापमान सामान्य से 1.3 डिग्री सेल्सियस अधिक 35.4 जबकि न्यूनतम पारा सामान्य से 1.4 डिग्री सेल्सियस कम के साथ 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शुक्रवार को आसमान में बादल छाए रहने और दोपहर बाद हल्की से मध्यम बारिश के आसार मौसम विभाग ने जताए थे। आईएमडी के अनुसार, 30 अगस्त यानी शनिवार को गरज के साथ हल्की बारिश के आसार हैं।

एकबार फिर ऑपरेशन लोटस और सियासी तनातनी

भाजपा को 109 और कांग्रेस को 114 सीट मिली थी

- एमपी में कैसे ढह गई थी कांग्रेस की सरकार?
- दिग्विजय के बयान के बाद घमासान
- कमलनाथ ने पुरानी बातें छोड़ने कहा
- भाजपा में शामिल हुए सिंधिया ने किया खुलासा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में 15 साल बाद सत्ता में आई कांग्रेस की सरकार कैसे गिरी, इसको लेकर एक बार सियासी चर्चा फिर से जोर पकड़ रही है। पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने एक साक्षात्कार के दौरान सरकार गिरने को लेकर बड़ा खुलासा किया है। इसके बाद से सियासी तनातनी और बयानबाजी खुलकर सामने आई है। मध्य प्रदेश में कांग्रेस के अंदर फिर से तनातनी हैं। केंद्र बिन्दू में पांच साल पुरानी कहानी हैं। कहानी यह है कि मध्य प्रदेश में 17 माह पुरानी सरकार कैसे गिर गई।

ज्योतिरादित्य सिंधिया कमलनाथ से नाराज हुए या दिग्विजय सिंह से। इस पर एक बार फिर से नई बहस छिड़ गई हैं। दिग्विजय सिंह ने एक इंटरव्यू में दावा किया कि कमलनाथ की वजह से ज्योतिरादित्य सिंधिया कांग्रेस छोड़कर चले गए। इसके बाद कमलनाथ ने भी पलटवार करते हुए दिग्विजय सिंह को जिम्मेदार ठहरा दिया। आइए हम आपको बताते हैं कांग्रेस की सरकार गिरने की नींव कैसे पड़ी थी? ये पुरानी तस्वीर उसी दौर की है, जब कांग्रेस सत्ता में काबिज थी और आंतरिक खेमे में तनातनी चल रही थी। राहुल गांधी ने कमलनाथ और सिंधिया के बीच जारी सियासी वॉर को कम करने की कोशिश की थी, पर वो भी असफल रहे डैमेज कंट्रोल करने में। उस समय भी इस तस्वीर के बाद समझौते का दावा किया गया था। पार्टी कार्यकर्ताओं में एक भरोसा भरा गया था, लेकिन सारे दावे कोरे साबित हो गए थे।

दरअसल, 2018 के विधानसभा चुनाव में 15 साल बाद मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनी थी। इसमें शिवराज के नेतृत्व वाली भाजपा को 109 और कांग्रेस को 114 सीट मिली थी। इसके अलावा एक सीट सपा, दो बसपा और चार पर निर्दलीय विधायक चुनाव जीते थे। कांग्रेस निर्दलीय, बसपा और सपा विधायक के साथ मिलकर सरकार बनाने जा रही थी। ऐसे में पार्टी के सामने सबसे बड़ा सवाल था कि सीएम पद का चेहरा कौन होगा? इस रेस में दो नाम सबसे आगे चल रहे थे, जिसमें तत्कालीन कांग्रेस नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया और तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ थे। दोनों के समर्थक अपने अपने तरीके से दावेदारी पेश कर रहे थे। वहीं, पार्टी के अंदर भी इसे लेकर मंथन चल रहा था। कई दिनों के मंथन के बाद राहुल गांधी ने एक तस्वीर शेयर की उस तस्वीर में बायी तरह कमलनाथ और दायी तरह ज्योतिरातिरादित्य सिंधिया थे। उस तस्वीर के साथ ही कमलनाथ की सीएम के रूप में ताजपोशी की घोषणा हो गई थी।

सिंधिया की सरकार और संगठन में सुनवाई नहीं हो रही थी

इस घोषणा को सिंधिया के समर्थक स्वीकार ने को तैयार नहीं थे। वे भोपाल से दिल्ली तक नारेबाजी कर रहे थे। आलाकमान ने उनको शांत करने के लिए उनके समर्थक विधायकों को उनके हिसाब से मंत्रिमंडल में जगह दी साथ ही मनपसंद विभाग भी दिए। इसके बाद एमपी में कांग्रेस की सरकार चलने लगी। वहीं, इनके समर्थकों के मन की बात बार-बार छलक कर बाहर आती रही कि सीएम नहीं तो प्रदेश अध्यक्ष ही बना दों। लेकिन सरकार और संगठन में सुनवाई नहीं हो रही थी। इस बीच कमलनाथ के खेमे के लोगों ने यह हवा उड़ानी शुरू कर दी कि उनके लोग उनके लिए सीएम पद की दावेदारी कर रहे है, जबकि विधायक दल की मीटिंग में उन्हें सात ही वोट मिले थे। यही बात कांग्रेस की कमलनाथ सरकार के लिए काल बन गई हैं।

यहीं से सिंधिंया की नाराजगी का बीजारोपण हुआ

दिल्ली में राहुल गांधी ने अनुभव और युवा जोश दोनों नेताओं को साथ में खड़ा करके फोटो ट्वीट की। इस फोटो में अनुभव को तरजीह देना बताया गया और युवा जोश को साथ में रखने का संदेश दिया गया। हालांकि बाद में राजस्थान से अंदर खाने यह बात सामने आई कि ढाई-ढाई साल का फार्मूला तय किया गया है। ऐसा ही फार्मूला मध्य प्रदेश में भी ऑफर होने की चर्चा चलने लगी। कमलनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद उनके समर्थकों ने यह बात फैला दी कि विधायक दल की बैठक में सिंधिया को सात वोट मिले थे और बाकी सभी विधायक कमलनाथ की तरफ थे। यहां से सिंधिया की नाराजगी शुरू हुई या यूं कहें कि नाराजगी का बीजारोपण हुआ।

सीएम की रेस से दिग्गी ने खुद को बताया बाहर

वह चुनाव सभी नेताओं ने पूरी ताकत से लड़ा। उस चुनाव में दिग्विजय सिंह ने भी बहुत मेहनत की थी। उस समय दिग्विजय सिंह ने नर्मदा प्रक्रिया पैदल यात्रा की थी। खासकर ट्रायबल सीटों पर। उनकी नर्मदा प्रक्रिया का धार्मिक के साथ ही राजनीतिक उद्देश्य भी था। हालांकि दिग्विजय सिंह चुनाव से पहले ही कह चुके थे कि वह मुख्यमंत्री समेत किसी पद की रेस में नहीं हैं। उनका लक्ष्य सिर्फ प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनाना हैं। चुनाव में कांग्रेस की भाजपा से ज्यादा सीटें आई और विधायक दल के नेता का चुनाव हुआ, जिसमें कमलनाथ को ज्यादा विधायकों का समर्थन मिला।

सिंधिया खुद को उपेक्षित समझने लगें

इसके बाद दिग्विजय सिंह भी सरकार में सक्रिय हो गए। उन्होंने अप्रत्यक्ष तौर पर सरकार पर कब्जा कर लिया। वह वल्लभ भवन जाने लगे और मंत्रियों से मिलने लगे। उनकी सक्रियता बढ़ने से सिंधिया के साथ ही उनके सहयोगी भी असहज महसूस करने लगे। सिंधिया खुद को उपेक्षित समझने लगें।

और कमलनाथ सरकार गिर गई

अब दिग्विजय सिंह ने कहा कि दोनों नेताओं को एक बड़े उद्योगपति के यहां मनाने के प्रयास किए, लेकिन कमलनाथ झुकने को तैयार नहीं हुए और सिंधिया अड़े रहें। यहां पर अंतिम कील ठोकी गई। राज्यसभा का उम्मीदवार बनाते समय दिग्विजय सिंह का नाम पहले नंबर पर घोषित कर दिया गया। इसी मौके का फायदा भाजपा ने उठा लिया। अचानक सिंधिया समर्थक विधायक और मंत्री अलग-अलग बुलावे पर दिल्ली पहुंचे, वहां गुडगांव में रूके। इधर सरकार को इसकी भनक ही नहीं लगी। इस बीच दिग्विजय सिंह गुड़गांव पहुंचे, लेकिन सिंधिया समर्थक 22 विधायक वहां से बैंगलुरू पहुंच गए। फिर इसी ऑपरेशन लोटस में कमलनाथ सरकार गिर गई।

कांग्रेस ने डबल लीडरशिप प्रयोग किया

मध्य प्रदेश की राजनीति को करीब से देखने वाले वरिष्ठ पत्रकार प्रभु पटैरिया बताते है कि 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में डबल लीडरशिप प्रयोग किया था। राजस्थान में अशोक गहलोत और सचिन पायलट थे। इसके एक वरिष्ठ और एक युवा नेता की जोड़ी। इसी तरह मध्य प्रदेश में कमलनाथ और ज्योतिरादित्य सिंधिया थे। कमलनाथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष थे और ज्योतिरादित्य सिंधिया को चुनाव अभियान समिति का संयोजक बनाया गया था।

क्या अपने बेटों की रिलाचिंग पर दिग्गजों का जोर?

पटैरिया का कहना है कि इस पूरे मामले में जितने जिम्मेदार दिग्विजय सिंह है, उससे कहीं ज्यादा जिम्मेदार कमलनाथ को मानते हैं। पांच साल बाद फिर इस मुद्दे के सामने आने के सवाल पर वह कहते है कि अब इसलिए यह सब बातें बाहर आ रही है क्योंकि दोनों नेता कमलनाथ और दिग्विजय सिंह को अपने बेटों की राह आसाने बनाने में जुटे हैं। कमलनाथ छिंदवाड़ा में बेटे नकुलनाथ की रिलाचिंग के लिए किसान आक्रोश प्रदर्शन का आयोजन किया। इसमें प्रदेश के बड़े नेताओं को बुलाया। वहीं, दूसरी तरफ राज्य सरकार में मंत्री रहे दिग्विजय सिंह के पुत्र जयवर्धन सिंह को जिला अध्यक्ष बना दिया गया। एक तरह से प्रदेश से जिला का नेता बनाकर डिमोशन कर दिया। इसको लेकर दोनों ही नेताओं की खुन्नस निकलकर सामने आ रही हैं। इसके अलावा जीतू पटवारी और उमंग सिंघार को पार्टी ने प्रदेश कांग्रेस और विधायक दल की कमान सौंप दी है, जिससे चलते दोनों ही वरिष्ठ नेता प्रदेश की राजनीति में धीरे-धीरे अपना वजूद खाते चले जा रहे हैं।

तो उतर जाए सड़क पर

ज्योतिरादित्य सिंधिया की अपनी सरकार के साथ तनातनी बढ़ने लगी। उनको समझाने के लिए भी नेता जुटे रहे। इस बीच कांग्रेस के घोषणा पत्र में किसानों के कर्ज माफी और बेरोजगारों से किए वादे को लेकर उन्होंने बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि वादा पूरा करने सड़क पर उतरना पड़े तो भी मैं तैयार हूं। इस पर कमलनाथ से मीडिया ने सवाल कर लिया, जिस पर उन्होंने कहा कि तो उतर जाए सड़क पर। यहां से कांग्रेस में दो फाड़ की स्थिति हो गई।

जब बात सम्मान और स्वाभिमान की होती है तो सोचना पड़ता : सिंधिया

केंद्रीय मंत्री सिंधिया से दिग्विजय-कमलनाथ की इस आपसी रस्साकशी पर राय पूछी। उन्होंने कहा कि मैं अतीत में नहीं जाना चाहूंगा। मीडिया से चर्चा में सिंधिया ने कहा कि इस मुद्दे पर मुझे कुछ भी कहने की आवश्यकता नहीं है। दोनों नेताओं के बयान ही स्पष्ट कर रहे हैं कि उनके बीच क्या चल रहा था? और अभी क्या चल रहा है? उन्होंने बताया, जहां तक दिग्विजय सिंह जी और कमलनाथ जी से मेरे संबंधों की बात है तो वह वर्षों पुराने पारिवारिक संबंध हैं। मैं आज भी दोनों नेताओं को उतना ही सम्मान देता हूं जैसा मैं पहले देता था।सिंधिया ने कहा, मध्यप्रदेश में जब कांग्रेस की सरकार थी। तब मैंने अपने समर्थक मंत्रियों से साफ कहा था कि, सरकार से जुड़ा कोई भी काम को लेकर मेरे पास मत आया करो। सरकार के मुखिया कमलनाथ जी हैं। आप लोग सीधे उन्हीं से बात किया करो। मैं आपके मंत्रालयों से जुड़े मामलों में कोई हस्तक्षेप नहीं करुंगा।ज्योतिरादित्य सिंधिया से जब बगावत की वजह पूछी गई तो उन्होंने कहा, मैं 2018 के विधानसभा चुनाव के दौरान ग्वालियर चंबल संभाग के अलावा प्रदेश के अन्य क्षेत्रों में प्रचार के लिए गया था। इस दौरान मैंने कांग्रेस के उम्मीदवारों से वादा किया था। राज्य में कांग्रेस सरकार बनेगी तो आपके क्षेत्रों के विकास के काम प्राथमिकता के साथ कराए जाएंगे। जब कमलनाथ जी मुख्यमंत्री बने तो मैं केवल उनसे इन्हीं बातों को लेकर मिलने जाता था। मैंने उन्हें भी बताया था, जहां मैं प्रचार के लिए गया था। मैंने उन सभी लोगों से विकास के काम करवाने का वादा किया है। अब इन क्षेत्रों के विकास के काम प्राथमिकता के साथ पूरे होने चाहिए। सिंधिया ने कहा, जब बात सम्मान और स्वाभिमान की होती है तो सोचना पड़ता है। बंद कमरे में मेरे और मेरे परिवार के लिए कई बार बहुत सी बातें बोली गईं। लेकिन मैंने उन पर ध्यान नहीं दिया। लेकिन सार्वजनिक तौर जब मेरे और परिवार के खिलाफ कुछ बातें बोली गईं तो मुझे एक्शन लेना पड़ा।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

एआई के सुझाव पर आत्महत्या! खतरनाक

"ये मामूली घटना नहीं हैं समाज को चेतावनी है तकनीक का गुलाम बनकर क हीं हम खत्म तो नहीं हो रहे हैं। ऐसी बढ़ती घटनाओं को अगर रोकना है तो नीति नियांताओं व समाज को मिलकर समाधान निकालना होगा ये आगे और खतरनाक हो सकता है।

एआई की मित्रता अब घातक होती जा रही है। ऐसी खबर आई जिसने दिल को दहला दिया। एक व्यक्ति ने चैटजीपीटी से कुछ मन की बात कही उसने आत्महत्या का सुझाव दिया उस व्यक्ति ने आत्म हत्या कर ली। ये मामूली घटना नहीं हैं समाज को चेतावनी है तकनीक का गुलाम बनकर कहीं हम खत्म तो नहीं हो रहे हैं। ऐसी बढ़ती घटनाओं को अगर रोकना है तो नीति नियांताओं व समाज को मिलकर समाधान निकालना होगा ये आगे और खतरनाक हो सकता है। उस व्यक्ति मन की बातें मित्र चैटजीपीटी से सहारा और समाधान की उम्मीद में साझा की। लेकिन चैटजीपीटी ने न केवल उसकी नकारात्मक सोच को बढ़ावा दिया, बल्कि आत्महत्या के तरीके तक सुझा दिए। तकनीक मानव जीवन को सरल और सहज बनाने के उद्देश्य से विकसित होती है। यह भी सच है कि हर तकनीक अपने साथ नई समस्याएं और खतरे भी लेकर आती है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) प्रभावशाली और चर्चित तकनीकों में से एक है जो शिक्षा, चिकित्सा, व्यापार, मनोरंजन और संवाद जैसे क्षेत्रों में तेजी से दखल बढ़ा रहा है।

साथ ही इसके सामाजिक, नैतिक और मानवीय प्रभावों पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। अमरीका के सैनफ्रांसिस्को में ताजा घटना ने इस खतरे को और स्पष्ट कर दिया। यहां अवसाद से जूझ रहे किशोर ने अकेलेपन और निराशा में चैटबॉट चैटजीपीटी को अपना मित्र समझ लिया। यह केवल एक व्यक्तिगत त्रासदी ही नहीं, बल्कि एक सामाजिक चेतावनी भी है कि आखिर नई पीढ़ी परिवार और समाज से ज्यादा आभासी दुनिया पर क्यों निर्भर हो रही है। मृतक किशोर के माता-पिता ने ओपनएआइ और इसके सीईओ सैम ऑल्टमैन पर मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप है कि ओपनएआइ ने मुनाफा कमाने के लिए जानबूझकर ऐसा एआइ मॉडल लॉन्च किया जो असुरक्षित है। इसके बाद ओपनएआइ ने सुरक्षा के उपाय घोषित किए हैं, उनमें पैरेंटल कंट्रोल जैसे फीचर शामिल करने की बात कही गई है। सवाल यह है ऐसे सुरक्षा फीचर पहले क्यों नहीं शामिल किए गए और एआइ के संभावित खतरे को नजरअंदाज करते हुए इसे आम इस्तेमाल के लिए क्यों दे दिया गया? यह घटना हमें यह सोचने के लिए मजबूर करती है कि आखिर तकनीक की सीमाएं कहां तय हों और इसके इस्तेमाल की पात्रता का निर्धारण कैसे हो। यह भी सोचना होगा कि एआइ के दुरुपयोग की स्थिति में इसे संचालित करने वाली कंपनी को किस तरह जिम्मेदार बनाया जाए। यह घटना दर्शाती है कि कंपनियों की जिम्मेदारी कितनी बड़ी है। एआइ जैसी तकनीक की ताकत बढ़ती जरूर जा रही है पर इसमें मानवीय संवेदना और विवेक नहीं है। यह केवल डेटा और पैटर्न के आधार पर जवाब देता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

हेराफेरी की डिग्री लेने में माहिर वैश्विक नेता

पुष्परंजन

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को 1997 में सेंट पीटर्सबर्ग माइनिंग इंस्टिट्यूट से प्राप्त अपनी डिग्री को लेकर जांच का सामना करना पड़ा था, जब एक अमेरिकी शोधकर्ता ने दावा किया था कि उनके शोध प्रबंध के 16 पृष्ठ पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय के दो प्रोफेसरों द्वारा प्रकाशित एक अध्ययन से शब्दश: चुराए गए थे। पुतिन ने इन आरोपों का कभी जवाब नहीं दिया। भारत की तरह रूस में भी 'घोस्ट राइटर्स' ठेके पर मिल जाते हैं, जो शोध प्रबंध लिखने में माहिर होते हैं। कुछ अनुमानों के अनुसार, रूस में हर साल लगभग पांच लाख नकली डिग्री, डिप्लोमा बेचे जाते हैं। जर्मन रक्षा मंत्री थियोडोर ज़ू गुटेनबर्ग अपने समय के पॉलिटिकल स्टार थे। वर्ष 2011 में उन्होंने तब इस्तीफा दिया था, जब एक विश्वविद्यालय समिति ने यह सुनिश्चित किया कि उन्होंने 2006 में अपने कानूनी शोध प्रबंध की 'जानबूझकर' हेराफेरी की थी।

गुटेनबर्ग, 'गूगलबर्ग' के नाम से कुख्यात हो गए। उन्होंने डॉक्टरेट की उपाधि रद्द किए जाने के बाद इस्तीफा दे दिया था। वर्ष 2013 में जर्मन चांसलर आंगेला मैर्केल को बड़ी शर्मिंदगी झेलनी पड़ी जब उन्हें अपनी शिक्षा मंत्री एलन शावन का इस्तीफा लेना पड़ा। उन्होंने अपने अल्मा मेटर की शोध प्रबंध के कुछ हिस्सों को चुराकर डॉक्टरेट की उपाधि हासिल कर ली थी। यूरोपीय संसद की उपाध्यक्ष सिलवाना कोच-मेहरिन ने भी 2011 में दस्तावेजों की नकल की थी। डॉक्टरेट की उपाधि छीन लिए जाने के बाद, सिलवाना कोच-मेहरिन ने इस्तीफा दे दिया था। 2021 में, बर्लिन की मेयर पद की उम्मीदवार फ्रांजस्का गिफी से उनकी डॉक्टरेट की उपाधि छीन ली गई। उनके विश्वविद्यालय ने निष्कर्ष निकाला कि उन्होंने जानबूझकर अपने शोध प्रबंध के कुछ हिस्सों की साहित्यिक चोरी की थी। यूरोपीय आयोग की वर्तमान अध्यक्ष उर्सुला फोन देयर लेयेन पर 2015 में ऐसी ही गड़बड़ी का आरोप लगा। तब इसकी जबरदस्त चर्चा हुई कि 1991 के उन्होंने अपने शोध प्रबंध में साहित्यिक चोरी की थी।

हालांकि, उन्हें बड़ी चालाकी से बचाया गया। एक तथाकथित जांच में यह निष्कर्ष निकाला गया कि उर्सुला का इरादा धोखा देने का नहीं था। उर्सुला फोन देयर लेयेन की कुर्सी और

डॉक्टरेट की उपाधि दोनों बचा ली गई। हेग स्थित अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय आमतौर पर युद्ध अपराध, मानवाधिकार हनन की सुनवाई करता है। वहां संभवत: पहली बार किसी पूर्व प्रधानमंत्री के फर्जी डिग्री के विरुद्ध सुनवाई हुई। रोमानिया के पूर्व प्रधानमंत्री विक्टर पोंटा पर 2004 के शोध प्रबंध के आधे से ज्यादा हिस्से नकल या डॉक्युमेंटेशन चोरी के जरिये जमा करने का आरोप लगाया गया था। हालांकि, शुरू में उन्होंने इससे इनकार किया, लेकिन बाद में उन्होंने नकल किये जाने की बात स्वीकार की और अपनी डिग्री त्याग दी। 2015 में विक्टर पोंटा ने अन्य घोटालों के सिद्ध होने पर प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। 2012 में, हंगरी के राष्ट्रपति पाल श्मिट ने अपने 1992 के शोध प्रबंध के अधिकांश भाग की साहित्यिक चोरी के कारण अपनी डॉक्टरेट की उपाधि छीन लिए जाने के बाद, इस्तीफा दे दिया था। रोमानियाई मंत्री थे, फ्लोरिन रोमन। 2021 में एक अखबार द्वारा अपनी शैक्षणिक योग्यता के बारे में झूठ बोलने की खबर के बाद इस्तीफा दे दिया। वर्ष 2018 में, स्पेन की पॉपुलर पार्टी के दो हाई-प्रोफाइल राजनेताओं क्रिस्टीना सिफुएंटेस और पाब्लो कैसाडो पर किंग युआन कार्लोस विश्वविद्यालय से बिना क्लास अटेंड किये फर्जीवाड़े से मास्टर डिग्री प्राप्त करने का आरोप लगाया गया था। बाद में सिफुएंटेस ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। पूर्व यूक्रेनी राष्ट्रपति विक्टर यानुकोविच की डॉक्टरेट और प्रोफेसरशिप पर तब सवाल उठाए गए, जब 2004 में राष्ट्रपति पद के लिए उनके आवेदन में व्याकरण संबंधी त्रुटियां पाई गईं। यूक्रेन के ही पूर्व प्रधानमंत्री आर्सेनी यात्सेन्युक पर 2017 में अपने शोध प्रबंध में चोरी का माल चेंपने का आरोप लगाया गया था।

संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब सहित खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के देशों में फर्जी प्रमाणपत्र एक बड़ी समस्या है। इराक के पूर्वगृह मंत्री, कासिम अल-अराजी, जो अल बद्र संगठन से जुड़े होने के लिए जाने जाते हैं, के पास डेनमार्क की गैर-मान्यता प्राप्त अलबोर्ग विज्ञान अकादमी से मास्टर डिग्री होने का खुलासा हुआ। इराक के ही पूर्व युवा एवं खेल मंत्री अहमद अल-उबैदी ने भी उसी गैर-मान्यता प्राप्त डेनिश संस्थान से डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। दोनों की इस काण्ड में अच्छी-खासी फजीहत हुई। आठ साल पहले कुवैत में बड़े स्केल पर डिग्री घोटाले का खुलासा हुआ था।

देश के सबसे स्वच्छ शहर में अस्वच्छ हरकतें

हेमंत पाल

इंदौर में करीब 3 महीने में दो ऐसी घटनाएं हुई, जिन्होंने पूरे देश में इंदौर की एक अलग छवि निर्मित की। यह छवि है आपराधिक कृत्य वाली और संयोग कि कृत्य करने वाली दोनों महिलाएं हैं। पहले सोनम रघुवंशी का नाम आया जिसकी 11 मई को राजा रघुवंशी से शादी हुई थी। उसने प्रेमी के साथ शादी के पहले ही साजिश रचकर पति राजा रघुवंशी को हनीमून ट्रिप पर शिलांग में सुपारी देकर मरवा दिया। इसके बाद अर्चना तिवारी ने परिवार के शादी के दबाव के आगे झुकने के बजाय खुद को परिदृश्य से गायब करने की चाल चली। राखी पर अपने घर कटनी जाते समय वह रास्ते में ट्रेन से बेहद शातिराना तरीके से गायब हो गई। उसके गायब होने की साजिश में एक लड़का सारांश सामने आया। रेलवे पुलिस परेशान रही। उसे नर्मदा और जंगल में तलाश किया गया। लेकिन, बाद में पुलिस ने लिंक जोड़कर 12 दिन बाद उसे भारत-नेपाल की सीमा पर पकड़ लिया। इंदौर में रहकर जज की तैयारी कर रही 29 साल की कटनी की अर्चना तिवारी की गुमशुदगी और बरामद होने की गुत्थी हैरत पैदा करने वाली है।

रेलवे पुलिस की जांच ने साफ किया कि यह कोई अपहरण या हादसा नहीं, बल्कि खुद अर्चना की रची गई साजिश वाली कहानी थी। समाज में महिलाओं की एक संवेदनशील छवि है। इसलिए सहज भरोसा नहीं होता कि कोई मध्यमवर्गीय परिवार की लड़की खुद को शादी से बचाने के लिए इतनी गहरी साजिश रच सकती है। अर्चना घर वालों के इस फैसले से नाराज थी कि उसकी शादी एक पटवारी से की जा रही है, जबकि वो सिविल जज बनने की तैयारी कर रही थी। सवाल उठता है कि उसने विरोध न करके अपने आपको परिदृश्य से गायब करने का उपक्रम क्यों किया। यदि पूरे घटनाक्रम पर नजर दौड़ाई जाए, तो एक बात साफ नजर आती है कि जिस तरह फुलप्रूफ षड्यंत्र रचा गया, वो किसी सामान्य लड़की के बस की बात शायद नहीं हो सकती। सात अगस्त की रात अर्चना इंदौर से नर्मदा एक्सप्रेस ट्रेन से रक्षाबंधन के लिये कटनी के लिए रवाना हुई थी। लेकिन, वहां नहीं पहुंची।

देर रात उसका मोबाइल बंद हो गया। घबराए परिवार ने भोपाल के जीआरपी थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। जांच में सामने आया कि अर्चना ने गुम होने की योजना पहले से बना रखी थी। वकील होने के नाते उसे कानून और जांच प्रक्रिया की बारीकियां पता थीं। उसने सोचा कि अगर मामला जीआरपी में दर्ज होगा, तो उस पर गहन जांच नहीं होगी। इसी सोच के तहत इटारसी के पास जंगल में अर्चना ने अपना मोबाइल फोन फेंक दिया, ताकि लोकेशन ट्रेस न हो सके। उसने साथी सारांश के साथ ट्रेन से उतरने के बाद ऐसा रास्ता चुना, जहां टोल टैक्स और सीसीटीवी कैमरे न हों। इस सफर में सारांश दूरी बनाकर उसके साथ रहा। पूरे घटनाक्रम में अर्चना के दो दोस्तों सारांश और ड्राइवर तेजेंद्र की अहम भूमिका रही। सारांश से अर्चना की पहचान इंदौर में पढ़ाई के दौरान हुई थी। तेजेंद्र ने बीच रास्ते में ट्रेन में अर्चना को साड़ी और कपड़े दिए। तेजेंद्र और सारांश की मदद से अर्चना इटारसी से निकलकर शुजालपुर पहुंची।

उन्होंने लंबा रूट लिया ताकि किसी टोल प्लाजा या कैमरे में न आएं। वह इंदौर, बुरहानपुर, हैदराबाद व जोधपुर होते हुए दिल्ली पहुंची। फिर सारांश के साथ 14 अगस्त को नेपाल चली गई। इस दौरान अर्चना ने नया सिम कार्ड या फोन भी मध्य प्रदेश से नहीं लिया, ताकि कहीं भी उनकी ट्रैकिंग न हो सके। निस्संदेह, ये किसी सामान्य लड़की के दिमाग की उपज नहीं हो सकती। जांच टीम ने सैकड़ों सीसीटीवी फुटेज खंगाले। बड़ा सुराग तब मिला, जब अर्चना की कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) में एक नंबर पर लंबे समय तक बातचीत दर्ज हुई, वह नंबर सारांश का निकला। सारांश को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो पूरा राज खुल गया और अर्चना को नेपाल बॉर्डर से पकड़ा गया। अर्चना की अविश्वसनीय दलील थी कि सारांश के साथ उनके कोई प्रेम संबंध नहीं हैं ,उसने सिर्फ इस पूरी योजना में मदद की। अब दूसरी लड़की सोनम रघुवंशी की कहानी, जिसने साजिश रचने में किसी जासूसी फिल्मों की कहानी को मात कर दिया। शुरुआत हुई 11 मई से जब राजा रघुवंशी और सोनम रघुवंशी की परिवार की राजी-मर्जी से शादी हुई। यह एक साधारण विवाह था, पर क्या पता था कि कुछ ही दिनों में यह शादी देशभर में सुर्खी बन जाएगी। इंदौर से हनीमून के लिए शिलांग गए इस नवविवाहित जोड़े राजा और सोनम की कहानी ने पूरे देश को झकझोर दिया।

एक सपनों भरा हनीमून भयानक त्रासदी और रहस्यमय हत्याकांड में बदल गया। दिलचस्प बात यह कि हनीमून की प्लानिंग सोनम ने खुद की। टिकट से लेकर होटल बुकिंग तक सब कुछ सोनम के नाम से हुआ। राजा और सोनम मेघालय के शिलांग में डबल डेकर लिविंग रूट ब्रिज, नोंग्रियाट गांव घूमने गए। यही वह जगह थी, जो इस हत्याकांड का साइलेंट गवाह बना। उसी दिन दोनों अचानक लापता हो गए। फिर न राजा का पता चला, न सोनम का। सुराग न मिलने पर नव दंपति का केस दर्ज किया गया। मीडिया ने लापता कपल पर रोमांचक एंगल से रिपोर्ट करना शुरू कर दिया। 2 जून को राजा का शव एक खाई में मिला। शव की हालत इतनी खराब थी कि पहचान करना मुश्किल था। लेकिन, राजा के हाथ पर गुदे 'राजा' टैटू ने उसकी पहचान पक्की कर दी। पोस्टमार्टम में हत्या की पुष्टि हो गई। राजा का शव मिलने के बाद भी सोनम के गायब होने के शक को अलग एंगल से देखा गया। पर, किसी ने यह नहीं सोचा था कि इस पूरी साजिश की मास्टरमाइंड सोनम है।

नींद की कमी

किसी भी व्यक्ति के लिए अपर्याप्त नींद भूख को नियंत्रित करने वाले हार्मोन्स (घ्रेलिन और लेप्टिन) को प्रभावित करती है, जिससे भूख बढ़ती है और जंक फूड की क्रेविंग होती है। शोध बताते हैं कि 6 घंटे से कम नींद लेने वाले लोगों में मोटापा 55 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। इससे बचने का उपाय बहुत सरल है कि रोजाना 7-8 घंटे की गहरी नींद लें। सोने से पहले स्क्रीन टाइम कम करें।

सेडेंटरी लाइफस्टाइल

लंबे समय तक बैठे रहना, जैसे ऑफिस में डेस्क जॉब या टीवी और मोबाइल का अधिक उपयोग, कैलोरी बर्न को कम करता है, जिससे वजन बढ़ता है। लैंसेट के एक अध्ययन के अनुसार, सेडेंटरी लाइफस्टाइल मोटापे का 20 प्रतिशत तक जोखिम बढ़ाती है। इससे बचने के लिए रोजाना 30 मिनट की योग या साइकिलिंग करें। हर घंटे 5 मिनट टहलें और लिफ्ट की जगह सीढ़ियों का उपयोग करें।

दवाओं का दुष्प्रभाव

दवाएं कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान कर सकती हैं। ये किसी बीमारी को रोक सकती हैं या उसे खत्म कर सकती हैं। लेकिन हम जो दवाएँ लेते हैं, उनके संभावित दुष्प्रभाव भी हो सकते हैं। कुछ दवाएं, जैसे स्टेरॉयड, एंटी-डिप्रेसेंट्स और मधुमेह की दवाएं, वजन बढ़ने का कारण बन सकती हैं। ये दवाएं भूख बढ़ा सकती हैं या मेटाबॉलिज्म को धीमा कर सकती हैं। अगर आपको लगता है कि दवाएं वजन बढ़ा रही हैं, तो डॉक्टर से विकल्पों पर चर्चा करें। बिना सलाह दवा बंद न करें। इससे बचने के लिए नियमित व्यायाम और कम कैलोरी वाला आहार डाइट में शामिल करें।

मोटापा

खानपान के अलावा ये भी होते हैं कारण

भारत में मोटापा अब सिर्फ एक शारीरिक समस्या नहीं, बल्कि एक तेजी से बढ़ती हुई स्वास्थ्य महामारी बन चुका है। यह धीरे-धीर हमारे समाज को अपनी चपेट में ले रहा है और अपने साथ डायबिटीज, हृदय रोग, जोड़ों के दर्द और कई अन्य गंभीर बीमारियों को जन्म दे रहा है। एक आंकड़ों के अनुसार, देश में 15 प्रतिशत से अधिक वयस्क अब मोटापे से ग्रस्त हैं, जो एक गंभीर चुनौती है। अक्सर हम मोटापे को केवल खराब खानपान या अत्यधिक खाने से जोड़कर देखते हैं, लेकिन यह आधी अधूरी सच्चाई है। जबकि आहार निश्चित रूप से एक महत्वपूर्ण कारक है, मोटापे के पीछे केवल यही एकमात्र कारण नहीं है। इसके कई अन्य छिपे हुए कारण भी हैं जिन्हें समझना और उन पर ध्यान देना बेहद जरूरी है।

तनाव और मानसिक स्वास्थ्य

तनाव चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के प्रति शरीर की स्वाभाविक प्रतिक्रिया है। लंबे समय तक तनाव कोर्टिसोल हार्मोन को बढ़ाता है, जो पेट की चर्बी को जमा करता है। डिप्रेशन और चिंता के कारण लोग अक्सर ज्यादा खाते हैं, खासकर मीठा या हाई कैलोरी वाला भोजन। इससे बचने के लिए ध्यान, योग और गहरी सांस लेने की प्रैक्टिस करें इससे तनाव कम होता है। दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताएं। गंभीर तनाव से परेशान हैं तो मनोवैज्ञानिक से सलाह लें।

हंसना मना है

अध्यापक- टेबल पर चाय किसने गिराई? इसे अपनी मातृभाषा में बोलो। छात्र- मातृभाषा मतलब मम्मी की भाषा में? अध्यापक- हां। छात्र- अरे छाती कूटा म्हारा जीव लियां बिना थने चैन नी पड़े? ओ की थारो बाप ढोली चाय? अध्यापक बेहोश!

टीचर ने साईन्स लैब में अपनी जेब से 1 सिक्का निकाला और एसिड में डाला ओर छात्र से पूंछा ये बता कि ये सिक्का घुल जाएगा या नही.. छात्र- सर नहीं घुलेगा, सर- शाबाश लेकिन तुझे कैसे पता.. छात्र-सर अगर एसिड में डालने से सिक्का घुलना होता तो, आप सिक्का हमसे मांगते ना कि अपनी जेब से निकालते ...

टीचर- ईरादे बुलन्द होने चाहिये, पत्थर से भी पानी निकाला जा सकता है, पप्पू- मैं तो लोहे से भी पानी निकाल सकता हूं, टीचर-कैसे, पप्पू- हैंडपम्प से।

डॉक्टर- यह सब कैसे हुआ? घायल मरीज- एक लड़की ने मेरी टांग पर गाड़ी चढ़ा दी। डॉक्टर- सड़क से दूर, फुटपाथ पर चलना चाहिए था न, घायल मरीज- मैं तो गार्डन में लेटा हुआ था।

कहानी | दान करने से वस्तु घटती नहीं

एक राजा बड़े धर्मात्मा और दयालु थे, किंतु उनसे भूलसे कोई एक पाप हो गया था। जब उनकी मृत्यु हो गयी, तब उन्हें लेने यमराज के दूत आये। यमदूतों ने राजा को कोई कष्ट नहीं दिया। यमराज ने उन्हें इतना ही कहा था कि वे राजा को आदरपूर्वक नरकों के पास से आने वाले रास्ते से ले आवें। राजा की भूल से जो पाप हुआ था, उसका इतना ही दण्ड था। यमराज के दूत राजा को लेकर जब नरकों के पास पहुंचे तो नरक में पड़े प्राणियों के चीखने, चिल्लाने, रोने का शब्द सुनकर राजा का हृदय घबरा उठा। वे वहां से जल्दी-जल्दी जाने लगे। इसी समय नरक में पड़े जीवों ने उनसे पुकार कर प्रार्थना की - महाराज! आपका कल्याण हो! हम लोगों पर दया करके आप एक घड़ी यहां खड़े रहिये। आपके शरीर से लगकर जो हवा यहां आती है, उसके लगने से हम लोगों की जलन और पीड़ा एकदम दूर हो जाती है। हमें इससे बड़ा सुख मिल रहा है। राजा ने उन नारकी जीवों की प्रार्थना सुनकर कहा - मित्रो! यदि मेरे यहां खड़े रहने से आप लोगों को सुख मिलता है तो मैं पत्थर की भांति अचल होकर यहीं खड़ा रहूंगा। मुझे यहां से अब आगे नहीं जाना है। यमदूतों ने राजा से कहा- आप तो धर्मात्मा हैं। आपके खड़े होने का यह स्थान नहीं है। यह तो पापी जीवों के रहने का स्थान है। आप यहां से झटपट चलें। राजा ने कहा- मुझे स्वर्ग नहीं चाहिये। भूखे-प्यासे रहना और नरक की आग में जलते रहना मुझे बहुत अच्छा लगेगा, यदि अकेले मेरे दुःख उठाने से इन सब लोगों को सुख मिले। प्राणियों की रक्षा करने और उन्हें सुखी करने में जो सुख है वैसा सुख तो स्वर्ग या ब्रह्मलोक में भी नहीं है। उसी समय वहां धर्मराज तथा इन्द्र आये। धर्मराज ने कहा- राजन! मैं आपको स्वर्ग ले जाने के लिये आया हूं। अब आप चलें। राजा ने कहा- जब तक ये नरक में पड़े जीव इस कष्ट से नहीं छूटेंगे, मैं यहां से कहीं नहीं जाऊंगा। धर्मराज बोले- ये सब पापी जीव हैं। इन्होंने कोई पुण्य नहीं किया है। ये नरक से कैसे छूट सकते हैं? राजा ने कहा- मैं अपना सब पुण्य इन लोगों को दान कर रहा हूं। आप इन लोगों को स्वर्ग ले जायं। इनके बदले मैं अकेले नरक में रहूंगा। इन्द्र ने कहा- आपके पुण्य को पाकर नरक के प्राणी दुःखों से छूट गये हैं। देखिये ये लोग अब स्वर्ग जा रहे हैं। अब आप भी स्वर्ग चलिये। राजा ने कहा- मैंने तो अपना सब पुण्य दान कर दिया। अब आप मुझे स्वर्ग में चलने को क्यों कह रहे हैं? देवराज हंसकर बोले- दान करने से वस्तु घटती नहीं, बढ़ जाती है। आपने इतने पुण्यों का दान किया, यह दान उन सबसे बड़ा पुण्य हो गया। अब आप हमारे साथ पधारें। दुःखी प्राणियों पर दया करने से ये नरेश अनन्त काल तक स्वर्ग का सुख भोगते रहे।

7 अंतर खोजें

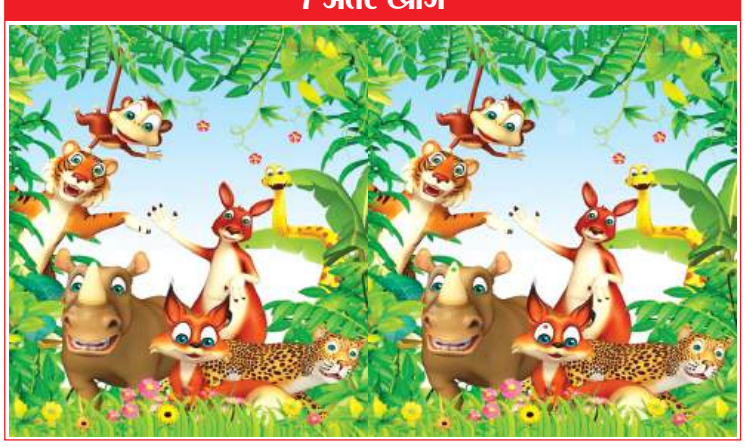

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। समय की अनुकूलता का लाभ लें। मित्रों के साथ अच्छा समय बीतेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। विवेक से कार्य करें।

वृषभ रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। कारोबारी वृद्धि की योजना बनेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। समय की अनुकूलता रहेगी।

मिथुन कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। काम में मन नहीं लगेगा। बाहर जाने की योजना बनेगी। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार के साथ समय मनोरंजन में व्यतीत होगा।

कर्क उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। मान-सम्मान मिलेगा। मित्रों की सहायता करने का मौका मिलेगा।

सिंह उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। आत्मसम्मान बनेगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। नए मित्र बनेंगे। कोई बड़ा कार्य करने की इच्छा जागृत होगी।

कन्या नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति पर व्यय होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी। दूसरों के काम में दखल न दें। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

तुला व्यापार ठीक चलेगा। यात्रा में विशेष सावधानी रखें। किसी भी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। बनते काम बिगड़ सकते हैं। तनाव रहेगा।

वृश्चिक यात्रा मनोरंजक रहेगी। सामाजिक कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। व्यापार ठीक चलेगा। परिवार के साथ समय सुखमय व्यतीत होगा। प्रसन्नता बनी रहेगी।

धनु योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। मित्रों के साथ समय मनोरंजक बीतेगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। समय अनुकूल है।

मकर लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। मनोरंजन के साधन प्राप्त होंगे। तीर्थदर्शन की योजना बनेगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

कुम्भ हल्की हंसी-मजाक न करें। विवाद हो सकता है। किसी व्यक्ति की नाराजी से मन खराब होगा। मित्रों तथा रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

मीन किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मित्रों का सहयोग व साथ मिलेगा। भाइयों से मतभेद दूर होंगे।

सिद्धार्थ-जाह्नवी की परम सुंदरी ने जीता दिल

जाह्नवी कपूर और सिद्धार्थ मल्होत्रा की परम सुंदरी सिनेमाघरों पर रिलीज हो गई है। इस फिल्म को लेकर कई कंट्रोवर्सी हो रही थी। कुछ लोग चेन्नई एक्सप्रेस का वर्जन बोल रहे थे तो किसी ने जाह्नवी के बोलने के तरीके पर सवाल उठाए थे। मगर इस फिल्म ने रिलीज होते ही सबकी बोलती बंद कर दी है। परम सुंदरी को पॉजिटिव रिव्यू मिल रहे हैं और लोग इसे काफी पसंद भी कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर परम सुंदरी की खूब तारीफ हो रही है। साथ ही इसे एक फ्रेश स्टोरी कहा जा रहा है।

बॉलीवुड | मसाला

परम सुंदरी को तुषार जलोटा ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में नॉर्थ और साउथ की लव स्टोरी दिखाई गई है। ऑडियंस के साथ ट्रेड एनालिस्ट ने भी परम सुंदरी की तारीफ की है। सिद्धार्थ और जाह्नवी की केमिस्ट्री लोगों को काफी इंप्रेस कर रही हैं। आइए आपको बताते हैं सोशल मीडिया पर फिल्म को कैसे रिव्यू मिल रहे हैं।

सोशल मीडिया पर हुई तारीफ

एक यूजर ने लिखा- परम सुंदरी देख रहा हूं। पहला हाफ शानदार है। रेटिंग-4, जाह्नवी कपूर की शानदार एक्टिंग। दूसरे ने लिखा- परम सुंदरी एक बेहतरीन एंटरटेनर फिल्म है जिसमें जबरदस्त केमिस्ट्री, चार्टबस्टर परदेसिया, केरल के लुभावने विजुअल और वल्लमकाली का शानदार फाइनल शामिल है। जाह्नवी कपू के करियर की अब तक की बेस्ट फिल्म। साथ ही सिद्धार्थ मल्होत्रा के चार्म ने इसे यादगार बना लिया।

एक ने लिखा- परम सुंदरी एक क्रॉस कल्चर रोमांस को बहुत ही अच्छे तरीके से प्रिजेंट करती है, जो सरल, ज़मीनी और प्यार, एक्सेप्टेंस पर फोक्सड है। हालांकि इसमें कुछ मूमेंट हैं, लेकिन कहानी कई बार प्रिडिक्टेबिल लगती है, एक बार ज़रूर देखें। दूसरे ने लिखा- मुझे ये फिल्म पसंद आई। टिपिकल रॉमकॉम है।

बता दें परम सुंदरी के पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन करने की उम्मीद है। फिल्म ने एडवांस बुकिंग से भी अच्छी कमाई की है।

तमन्ना-डायना की सीरीज 'डू यू वाना पार्टनर' का ट्रेलर रिलीज

फिल्म डू यू वाना पार्टनर का ट्रेलर एक जोशीली धुन के साथ शुरू होता है, जो हमें दो जिगरी दोस्तों शिखा (तमन्ना भाटिया) और अनाहिता (डायना पेंटी) की जिंदगी की झलक दिखाता है। ये दोनों दोस्त अपना खुद का क्राफ्ट बीयर ब्रांड लॉन्च करने के एक दमदार आइडिया के साथ स्टार्ट-अप की दुनिया में कदम रखती हैं। इसके बाद शुरू होती है एक मजेदार और हाई-एनर्जी सफर, जिसमें बीयर के दिग्गजों, माफिया और ऐसे-ऐसे 'जुगाड़ सामने आते हैं, जिनकी उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी।

बॉलीवुड | गपशप

लेकिन सवाल यह है ,क्या वे यह धारणा तोड़ पाएंगी कि महिलाएं बीयर नहीं बना सकतीं? क्या वे अपने खुद के बुने हुए जाल से निकल पाएंगी? या उनका सपना पूरा होने से पहले ही टूट जाएगा? डू यू वाना पार्टनर उन गहराई भरे, भावनात्मक रूप से जटिल, फिर भी मजेदार शोज में से एक है, जिनका मैं हिस्सा रही हूं। जो बात इसे सचमुच विशेष बनाती है, वह यह है कि यह महिला मित्रता और बहनचारे की भावना का जश्न मनाती है, बिना इसे स्त्री-पुरुष के टकराव की कहानी बनाए। अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने कहा कि यह दोस्ती, संघर्ष और सबसे अजीबोगरीब विचारों को हकीकत में बदलने के साहस का जश्न है।

अभिनेत्री डायना पेंटी ने कहा कि अनाहिता का किरदार निभाना। एक ऐसी महिला जो अपने सपनों को साकार करने के लिए पूरे धैर्य और हिम्मत के साथ आगे बढ़ती है, अपनी सबसे अच्छी दोस्त का साथ निभाती है और उद्यमिता की राह में आने वाली तमाम चुनौतियों का सामना करती है, मेरे लिए रोमांचक और सशक्त अनुभव रहा है। यह सीरीज वास्तव में प्रेम और जुनून से बनी है, जिसे एक शानदार कलाकारों और क्रू ने जीवंत किया है। मुझे इंतजार है कि दुनिया भर के दर्शक इस कहानी को देखें, जो सिर्फ व्यावसायिक साझेदारी ही नहीं बल्कि दोस्ती के अटूट बंधन का भी उत्सव मनाती है।

बॉलीवुड | मन की बात

मुझे सेट पर घमंडी समझते थे हीरो, लेकिन सच यह था कि मैं शर्मीली थी : हेमा मालिनी

हेमा मालिनी ने एक से बढ़कर एक फिल्मों में काम किया है। उनकी फिल्म शोले में बसंती का कैरेक्टर तो आइकॉनिक बन गया है। अब एक्ट्रेस ने बसंती के कैरेक्टर और अपने नेचर के बारे में बात की है। हेमा से जब पूछा गया कि क्या शोले में बंसती का उनका कैरेक्टर सबसे ज्यादा बात करने वाली लड़की थी। तो इसके जवाब में हेमा ने कहा, मुझे लगता है कि वो इंडियन सिनेमा की सबसे ज्यादा बोलने वाली लड़की थी। कितना बोलती है वो। मेरी एक ही चिंता थी कि बसंती कहीं इरिटेटिंग न हो जाए। मुझे डर था कि उसकी बक बक लोगों को परेशान न करे। लेकिन लोगों ने उसे पसंद किया। मुझे लगता है कि लोगों ने ये पसंद किया कि वो हमेशा बोलती रहती है। खासतौर पर वो जिस तरह से गब्बर के सामने खड़ी हुई। एक समाचार पत्र से बातचीत में इसके बाद हेमा ने अपने नेचर के बारे में बताते हुए कहा, मैं बसंती से बिल्कुल अलग हूं। मैं बहुत रिजर्व हूं। जब मैं यंग थी तो बहुत चुप रहती थी। मैं सेट पर कम ही बोलती थी। मेरे कई हीरोज ये सोचते थे कि मैं एरोगेंट हूं। लेकन सच ये था कि मैं बहुत शर्मीली थी। बिना मतलब क्यों बोलना है? इसीलिए मैंने चुप्पी चुनी। जब उनसे पूछा गया कि क्या धरमजी के साथ काम करते वक्त भी आप चुप ही रहती थी? इसके जवाब में उन्होंने हंसते हुए कहा- धरम जी के साथ बात अलग थी। हमारे पास एक-दूसरे से कहने के लिए बहुत कुछ था। क्योंकि शूटिंग के बाहर हम मुश्किल से ही मिलते थे।

गरीब बुढ़िया की हुई मौत, वसीयत पढ़कर हैरान रह गया पूरा गांव

किसी को देखकर या उसके कपड़ों को देखकर उसकी हैसियत का अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। कई लोग बहुत साधारण कपड़े पहनते हैं या बहुत सादा जीवन जीते हैं लेकिन जब उनकी संपत्ति के बारे में पता चलता है तो लोग हैरान रह जाते हैं। आपने देखा होगा कि जिस व्यक्ति के पास ज्यादा दौलत या संपत्ति होती है तो वह पहले ही अपनी वसीयत बना लेता है ताकि उसकी मौत के बाद प्रॉपर्टी को लेकर कोई विवाद ना हो। लेकिन जब एक गरीब महिला की मौत हुई और उसकी वसीयत पढ़ी गई तो सब हैरान हो गए। सब यही सोच रहे थे कि ऐसा कैसे हो सकता है। हिल्दा लेवी नाम की एक महिला केंट के व्हिसिलटेबल में रहती थी। वो 1970 के बने हुए एक सेमी डिटैच्ड घर में रहती थी, जिसकी मौत 98 साल की उम्र में हो गई। महिला का घर बुरी हालत में था और बगीचे की भी साफ-सफाई नहीं होती थी। मौत के बाद जब उसकी वसीयत पढ़ी गई, तो लोगों को अपने कानों पर यकीन नहीं हुआ। वे आपस में खुसुर-फुसुर करने लगे कि आखिर ये हो कैसे सकता है। जब उस गरीब बुढ़िया की वसीयत पढ़ी गई, तो उसमें कुल 1.4 मिलियन पाउंड यानि लगभग 16 करोड़ रुपये का ब्यौरा था। उसमें से बुढ़िया ने साढ़े 5 करोड़ रुपये उसके दोस्तों और कैंटरबरी अस्पताल के नाम किए थे। इसके अलावा करीब 3 करोड़ रुपये लंदन के Whitstable Healthcare and Moorfields Eye Hospital में उसके दोस्तों के नाम किए गए थे। चैरिटी में दिए गए पैसों के बारे में सुनकर लोग हैरान रह गए। महिला की स्थिति और उसके घर को देखकर बिल्कुल नहीं लगता था कि वो करोड़ों की मालकिन है। जब लोगों ने गरीब बुढ़िया और उसकी करोड़ों की दौलत के बारे में पता किया तो जानकारी सामने आई कि वह 1930 के दशक में जर्मनी से इंग्लैंड में एक रिफ्यूजी के तौर पर आई थी। उसके परिवार की मौत होलोकॉस्ट में हो चुकी थी। वह अनाथ थी, जिसे इंग्लैंड में एलन जेफरी नाम की महिला ने एडॉप्ट किया था। वह डॉक्टर फ्रीडरिक और मिसेज़ इर्मा लेवी की बेटी थी। उसने इंग्लैंड में अपना पूरा जीवन जिया। बुढ़िया के पास जो प्रॉपर्टी थी वह उसके एक अंकल की प्रॉपर्टी में मिला हिस्सा था, जो अमेरिका में जाकर बस गए थे। उन्होंने अपनी 300 करोड़ से भी ज्यादा संपत्ति को भाई-बहनों के परिवारों और दूर के रिश्तेदारों में बांट दिया था। हिल्दा को भी वही प्रॉपर्टी मिली थी।

अजब-गजब | आज तक अनसुलझा है पाताल की नदी का रहस्य!

इस मंदिर में है दूसरी दुनिया में जाने का दरवाजा!

इस दुनिया में कई ऐसे मंदिर हैं जो रहस्यमयी हैं। कई मंदिर तो ऐसे हैं जिनके रहस्य आज तक अनसुलझे हैं। वैज्ञानिक भी इनके रहस्य का पता नहीं लगा सके। ऐसा ही एक रहस्यमयी मंदिर मेक्सिको के तेओतिहुआकान शहर में भी है। यहां एक एक प्राचीन पिरामिड है, जिसे क्वेटज़ाल्कोआटल मंदिर भी कहते हैं। बताया जाता है कि इसमें दूसरी दुनिया यानी पाताल के जाने का दरवाजा है। इसको पंख वाला सर्प पिरामिड भी कहते हैं। कुछ साल पहले इसमें रहस्यमयी तरल पारा मिला था। वैज्ञानिकों ने जांच की तो पता चला कि यह एक खास नदी है जो पाताल तक जाती है।

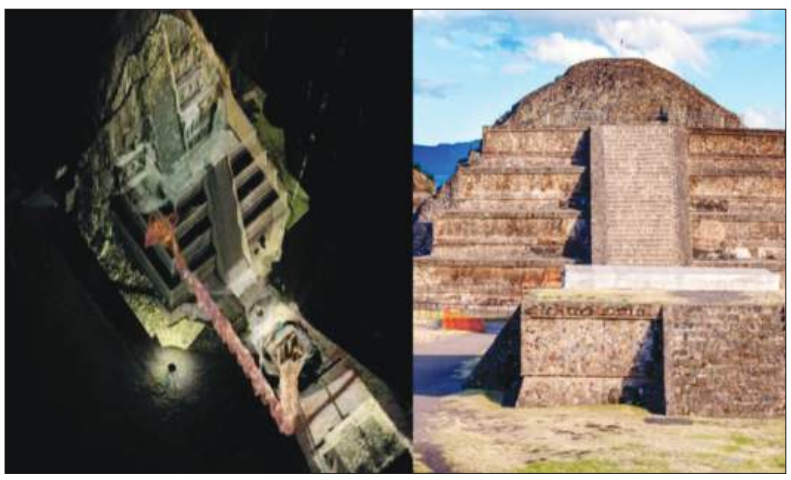

क्वेटजाल्कोआटल मंदिर लगभग 1800-1900 साल पुराना है। 2015 में खुदाई के दौरान तरल पारा मिला। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह पारा पाताल की नदी का प्रतीक है। वे कहते हैं कि यह मंदिर अलौकिक दुनिया से जुड़ा है। यह पाताल का द्वार हो सकता है। शोधकर्ता डॉ. सर्जियो गोमेज़ ने 2003 में इसकी सुरंग खोली। छह साल तक खुदाई चली थी। इसमें 300 फुट लंबी सुरंग मिली थी जिसके अंत में तीन कक्ष मिले थे। इन कक्षों में तरल पारा था। इसके अलावा, जेड की मूर्तियां, जगुआर के अवशेष, नक्काशीदार शंख और रबर की गेंदें भी मिलीं थीं। ये सारी चीजें मंदिर के 60 फुट नीचे थीं। इतना ही नहीं, 16 साल की खुदाई में 3,000 से ज्यादा अनुष्ठानिक वस्तुएं मिलीं हैं। शोधकर्ताओं ने लीडार स्कैनर और फोटोग्रामेट्री का उपयोग किया, इससे पिरामिड और सुरंग का नक्शा बन सका।

वैज्ञानिकों का कहना है कि तरल पारा राजा की कब्र या अनुष्ठान कक्ष का संकेत देता है। डॉ. रोजमेरी जॉयस ने कहा कि तरल पारा असामान्य नहीं है। मध्य अमेरिका के तीन अन्य स्थानों पर भी यह मिला है। वे कहती हैं कि पारा पाताल की नदी या झील का प्रतीक है। डॉ. एनाबेथ हेड्रिक ने भी यही कहा। उन्होंने बताया कि पारा एक चमकदार दर्पण जैसा है।

क्वेटज़ाल्कोआटल मंदिर मेसोअमेरिकन संस्कृति का केंद्र था। हर साल 45 लाख लोग इसे देखने आते हैं। यह तीसरा सबसे बड़ा पिरामिड है। 1987 में इसे यूनेस्को विश्व धरोहर घोषित किया गया। 1980 के दशक में इसके नीचे सौ से ज्यादा मानव अवशेष मिले। एज़्टेक लोग मानते थे कि यह मंदिर वह जगह है जहां देवता बने। वे यहां बलि देते थे। यह मंदिर उनके लिए पवित्र था। इस मंदिर के रहस्य लोगों को आकर्षित करते हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि तरल पारा अनुष्ठानों का हिस्सा था। यह पाताल की यात्रा का प्रतीक हो सकता है। सुरंग और कक्षों की बनावट से लगता है कि यह मंदिर जटिल धार्मिक कार्यों के लिए था। क्वेटजाल्कोआटल मंदिर का रहस्य अभी पूरी तरह खुला नहीं है। शोधकर्ता और खोज रहे हैं।

षड्यंत्रों में विश्वास रखती है भाजपा : भूपेश बघेल

» कांग्रेस नेता बोले - पीएम मोदी के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल एक साजिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। बिहार में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए अभद्र के इस्तेमाल को लेकर उठे विवाद के बीच छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि भाजपा षड्यंत्रों में विश्वास रखती है और यह घटना भी संभवत: एक साजिश हो सकती है। बघेल ने यहां संवाददाताओं से कहा कि राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा को मिली जनता की प्रतिक्रिया से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बौखला गई है और इसका सीधा जवाब देने में असमर्थ होने के कारण अब वह दूसरे हथकंडे अपना रही है।

उन्होंने कहा, सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रही खबरों से पता चलता है कि इस मामले में गिरफ्तार किया गया व्यक्ति भाजपा का सदस्य है और एक तस्वीर में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ भी देखा गया है।बघेल ने कहा, वे (भाजपा) बौखलाए हुए हैं। अब तक राहुल जी की यात्रा को मिली प्रतिक्रिया देखकर वे सदमे में थे और अब दूसरे हथकंडे अपना रहे हैं। वैसे, वे षड्यंत्रकारी हैं। वे गोडसे के अनुयायी और प्रशंसक हैं और षड्यंत्रों में विश्वास रखते हैं। इसलिए यह भी एक षड्यंत्र का हिस्सा हो सकता है।

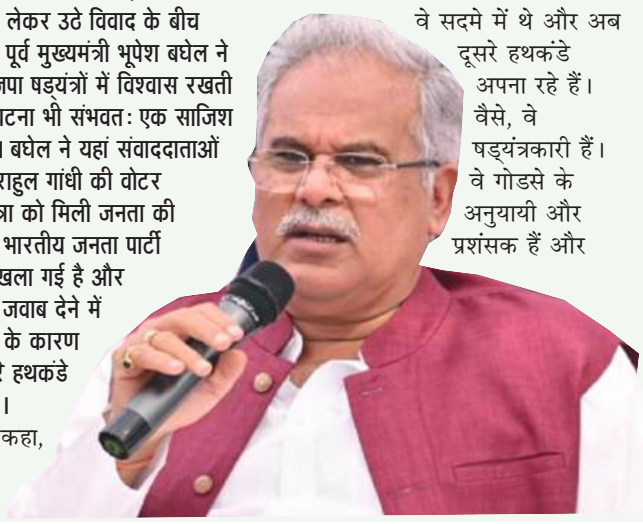

वोट अधिकार यात्रा को मिले समर्थन से भाजपा बौखलाई

बघेल ने कहा, किसी के द्वारा भी अभद्र का इस्तेमाल उचित नहीं है और हम इसका समर्थन नहीं करते। राहुल जी की यात्रा (बिहार में) को मिली प्रतिक्रिया से भाजपा बौखलाई हुई है। जिस मंच पर कथित टिप्पणी की गई, वहां न तो राहुल जी और न ही राजद नेता तेजस्वी यादव जी मौजूद थे। यहां तक कि हमारे गठबंधन के नेता भी वहां मौजूद नहीं थे। ऐसे में किसी ने अभद्र शब्दों का इस्तेमाल किया।

मोदी ने पुराने भाषणों में कई बार किया अभद्र भाषा का प्रयोग

बघेल ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के पुराने भाषण रिकॉर्ड में हैं, जिनमें 50 लाख रुपये की गर्लफ्रेंड, जर्सी गाय और कांग्रेस की विधवा जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया था। यहां तक कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कर्नल सोफिया कुरैशी पर भी मध्यप्रदेश के एक मंत्री ने टिप्पणी की थी, लेकिन भाजपा तब चुप रही। भाजपा नेताओं में अभद्र का इस्तेमाल करने की परंपरा रही है। अगर भाजपा, कांग्रेस पर एक उंगली उठाती है, तो तीन उंगलियां उसकी ओर मुड़ जाती हैं। उन्होंने कहा कि मंच पर मौजूद न होने पर किसी के द्वारा कहे गए शब्दों के लिए राहुल गांधी से माफ़ी मांगने की मांग करना शर्मनाक है।

राजनीति में योगदान की कोई उम्र नहीं होती : उमा भारती

» पूर्व भाजपा नेत्री ने जीतू पटवारी को कहा बेचारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जितेंद्र जीतू पटवारी के बयान पर भाजपा की वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने करारा पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि पाटवारी खुद नहीं जानते कि वे क्या बोल रहे हैं। वे बिना सोचे-समझे बयान देते हैं। उमा भारती ने उन्हें बेचारा बताते हुए कहा कि कांग्रेस अब मध्य प्रदेश में समाप्त हो चुकी है और पटवारी ही उसके इकलौते नेता बचे हैं। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस के कई दिग्गज नेता अब राजनीति से संन्यास ले चुके हैं, जबकि नई पीढ़ी के नेता भाजपा से जुड़ रहे हैं। जो कांग्रेस नेता भाजपा में जगह नहीं पा रहे वे कांग्रेस में ही छूट गए हैं। सेवानिवृत्ति की उम्र को लेकर चल रही बहस पर भी उमा भारती ने अपनी राय रखी।

उन्होंने कहा कि कोई भी संगठन, राजनीतिक दल या संस्था सेवानिवृत्ति की आयु तय कर सकती है, लेकिन योगदान की उम्र तय नहीं की जा सकती। उनके अनुसार राजनीति एक ऐसा मंच है, जहां योगदान देने की क्षमता ही असली पहचान है। उमा ने कहा कि डॉक्टर, टीचर, वकील की योगदान की क्षमता कभी खत्म नहीं होती। बता दें हाल ही में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने हाल ही में कहा कि उन्होंने कभी नहीं कहा कि 75 साल की उम्र में पद छोड़ देंगे या किसी को इस उम्र में रिटायर्ड हो जाना चाहिए। संघ प्रमुख की इस टिप्पणी ने उनकी कुछ दिनों पहले दी उनकी टिप्पणी पर चल रही अटकलों पर उम्र विराम लगा दिया।

पीओके को वापस लेने पर ही सफल होगा ऑपरेशन सिंदूर

उमा भारती ने ऑपरेशन सिंदूर की तारीफ भी की। साथ ही उन लोगों को करारा जवाब भी दिया, जो ऑपरेशन पर सवाल खड़े किए। उमा भारती ने कहा कि ऐसे लोग देश की बदनामी करते हैं, राष्ट्रीय गर्व को नहीं समझते और राजनीति करने के योग्य नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हमारा अंतिम लक्ष्य पीओके को वापस लेना है। पीओके वापस लेने के बाद ही हमारा उद्देश्य पूरा होगा...जो लोग भारतीय सशस्त्र बलों की वीरता पर सवाल उठा रहे हैं... वे भारतीय सशस्त्र बलों का सम्मान करना नहीं जानते, और वे राजनीति करने के भी काबिल नहीं हैं। इस दौरान उमा भारती ने 1994 में संसद द्वारा पारित उस सर्वसम्मत प्रस्ताव का भी उल्लेख किया जिसमें पीओके को भारत का अभिन्न हिस्सा घोषित किया गया था। भारत ने हमेशा पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ी है और हम ही इसे समाप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि इस समस्या का समाधान प्राकृतिक न्याय है। पाकिस्तान जब आतंकवाद के कारण खुद नष्ट होगा, तभी उसे होश आएगा।

अनुभव और इंदरजीत सौ मीटर दौड़ में रहे अव्वल

» राष्ट्रीय खेल दिवस पर प्रतियोगिताएं आयोजित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एक्सीलिया स्कूल में शुक्रवार को राष्ट्रीय खेल दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। इस दौरान अनेक खेल प्रतियोगिताएं हुईं, जिसमें ब'चों ने खूब जोर-आजमाइश की। लड़कों की सौ मीटर दौड़ का खिताब दसवीं के छात्र अनुभव पाण्डे ने जीता। इसमें नवीं के छात्र सक्षम गिरि द्वितीय और नवीं कक्षा के छात्र कुणाल कुमार तृतीय स्थान पर रहे। वहीं लड़कियों की सौ मीटर दौड़ नवीं की छात्रा इंदरजीत कौर ने जीती। दसवीं की छात्रा ख्याति सक्सेना दूसरे और नवीं की छात्रा अराध्या सिंह तीसरे स्थान पर रहीं।

इसके साथ ही रस्साकस्सी, लंबी कूद, वॉलीबॉल, लड़के-लड़कियों की सौ मीटर रिले आदि प्रतियोगिताएं हुईं। इससे पूर्व प्रात: काल कक्षा-4 के ब'चे जब विभिन्न खिलाड़ियों एम.सी. मैरी कॉम, साइना नेहवाल, मिताली राज और एमएस धोनी का रूप धरकर मैदान में उतरे तो सभी के चेहरे खिल उठे। नन्ही अमन ने खेलों के महत्व पर सुन्दर कविता सुनाई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय खेल प्राधिकरण के स्पोर्ट्स साइंटिस्ट डॉ. गौरव सिंह ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल केवल जीत या हार का नाम नहीं है। खेल हमें मेहनत, धैर्य, टीम वर्क और अनुशासन सिखाते हैं।

कोडीन घूसकांड में सीबीआई का बड़ा खुलासा

» तीन नारकोटिक्स इंस्पेक्टर दो दलाल और नर्सिंग होम संचालक गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ में भ्रष्टाचार के विरुद्ध सीबीआई की उच्चस्तरीय कार्रवाई ने पूरे चिकित्सा-नियंत्रण तंत्र में हड़कंप मचा दिया है। कोडीन सिरप की अवैध आपूर्ति के मामले से जुड़े घूसखोरी के कथित रैकेट का पर्दाफाश करते हुए सीबीआई ने केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) के तीन निरीक्षकों महिपाल सिंह, रवि रंजन और आदर्श योगी को भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया है। साथ ही इसमें एक निजी नर्सिंग होम संचालक गयासुद्दीन अहमद और दो दलाल सुनील और संतोष जायसवाल को भी पकड़ा गया है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, महिपाल सिंह और रवि रंजन ने देवा नर्सिंग होम संचालक गयासुद्दीन अहमद को घूस देने के लिए धमकाया था कि यदि उन्होंने 10 लाख रुपये नहीं दिए, तो उन्हें प्रतिबंधित दवा कोडीन सिरप की खरीद में फंसाया जाएगा और जेल भेज दिया जाएगा। आगे की जांच में यह खुलासा हुआ कि बाराबंकी ड्रग असोसिएशन के अध्यक्ष सहित दो अन्य व्यक्तियों को भी बैकएंड में इस घूस काण्ड में शामिल पाया गया। सुनील और संतोष जायसवाल को बीच का दलाल (बिचौलिए) होने के आरोप में हिरासत में ले लिया गया है। सीबीआई ने एक जाल बिछाते हुए 26 अगस्त को एक नियोजित ट्रैप में 10 लाख रुपये की रकम वसूली के मौके पर ही बरामद कर ली। शुरुआती 2 लाख रुपये सीबीएन कार्यालय में और बाकी 8 लाख रुपये टेढ़ी पुलिया के पास आदान-प्रदान किए गए थे, जहां पहुंचकर जांच दल ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

भ्रष्टाचारी व लापरवाही बरतने वाले बख्शे नहीं जायेंगे

केन्द्रीय नार्कोटिक्स ब्यूरो के आला अधिकारी का कहना है कि भ्रष्टाचारी व विभागीय कार्य में लापरवाही बरतने वाले किसी भी कर्मचारी अधिकारी को बख्शा नहीं जायेगा। उनके खिलाफ़ कठोर कार्यवाही किए जाना सुनिश्चित है।

नमन व कपिल का कमाल, नोएडा का धमाल

» यूपी 20 लीग : कानपुर सुपरस्टार्स को 7 विकेट से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नमन तिवारी और कपिल त्यागी की शानदार गेंदबाजी के दम पर नोएडा सुपर किंग्स ने कानपुर सुपरस्टार्स स्कूल यूपी 20 लीग के दूसरे मुकाबले में आसानी से 7 विकेट से पराजित कर दिया। इकाना स्टेडियम में पहले बल्लेबाजी करते हुए समीर रिजवी के अर्धशतक के बावजूद कानपुर सुपरस्टार्स की टीम 18.4 ओवर में 114 रन पर ही आउट हो गई। जवाब में नोएडा सुपर किंग्स ने जीत के लिए जरूरी रन 15 ओवर में तीन विकेट खोकर ही बना लिए।

114 रन के स्कोर का पीछा करने उतरी नोएडा सुपर किंग्स टीम की भी शुरुआत खराब रही और उनका पहला विकेट अनिवेश चौधरी के तौर पर गिर गया। इसके बाद मोहम्मद आसियान और शिवम चौधरी की मोर्चा संभाला। दोनों टीम के स्कोर को 9.3 ओवर में 76 रन के स्कोर तक ले गए। वहीं तीसरे विकेट की साझेदारी तेजी से आगे बढ़ी और इस साझेदारी में 34 रन जोड़ दिए गए 110 दिन के स्कोर पर रवि सिंह के रूप में नोएडा का तीसरा विकेट गिरा। रवि के आउट होने के बाद शिवम चौधरी ने लगातार दो छक्के मारकर टीम को जीत दिला दी। 12.2 ओवर में 120 रन बनाकर नोएडा में पूरे अंक प्राप्त किए।

कानपुर के सलामी बल्लेबाज जीरो पर हुए आउट

कानपुर सुपरस्टार्स की शुरुआत बहुत खराब रही उनके दोनों सलामी बल्लेबाज शून्य के स्कोर पर आउट हो गए। बल्लेबाज तू चल मैं आता की तर्ज पर आउट होते रहे और पहले पांच विकेट पांचवें ओवर में 26 रन के स्कोर पर ही गिर गए थे। इसके बाद में कप्तान समीर रिजवी ने मोर्चा संभाला और 33 गेंद में चार छक्के और एक चौके की मदद से 51 रन का स्कोर बनाया. शुभम मिश्रा ने 27 दिन में 17 रन विनीत पवार ने 12 गेंद में एक चौकी और एक छक्के की मदद से 17 रन बनाकर टीम के स्कोर को 18.4 ओवर में 114 रन के स्कोर तक पहुंचाया।

8 गेंद रहते टीम हुई आलआउट

कोट की आठ गेंद बाकी रहने के बावजूद पूरी टीम ऑल आउट हो गई। नमन तिवारी ने 3.4 ओवर में 29 रन देकर चार विकेट कपिल त्यागी ने तीन ओवर में 13 दिन देखकर तीन विकेट लिए। के सिद्धू ने दो बार में पांच रन लेकर दो विकेट झटके। प्रशांत वीर को भी एक विकेट मिला।

दिल्ली की कानून-व्यवस्था पर फिर उठा सवाल

» कालकाजी मंदिर में सेवादार की हत्या पर बावल, आप ने भाजपा सरकार को घेरा
» केजरीवाल बोले- दिल्ली में कौन सुरक्षित
» दिल्ली पुलिस पर राजनीतिक कार्यों में व्यस्त : भारद्वाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कालकाजी मंदिर सेवादार हत्या मामले ने दिल्ली की कानून-व्यवस्था पर राजनीतिक घमासान तेज़ कर दिया है। अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर निशाना साधते हुए पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए, जबकि आप अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने दिल्ली पुलिस पर राजनीतिक कार्यों में व्यस्त रहने और अपराधियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया है, जिससे राजधानी में पुलिस की भूमिका पर गंभीर सवाल उठते हैं।

भाजपा के चार इंजनों ने ऐसी स्थिति में पहुँचाया

केजरीवाल ने तंज भरे लहजे में कहा कि भाजपा के चार इंजनों ने दिल्ली को ऐसी स्थिति में पहुँचा दिया है कि अब ऐसी घटनाएँ मंदिरों में भी हो रही हैं। क्या दिल्ली में कोई सुरक्षित है या नहीं?

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी में कानून-व्यवस्था को लेकर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला। दिल्ली के कालकाजी मंदिर में चुन्नी प्रसाद से जुड़े विवाद में एक सेवादार की हत्या कर दी गई। केजरीवाल ने एक पोस्ट में पूछा कि क्या कालकाजी मंदिर के अंदर सेवादार की बेरहमी से हत्या करने से पहले इन बदमाशों के हाथ नहीं काँपे? अगर यह कानून-व्यवस्था की विफलता नहीं है, तो क्या है?

पुलिस जनता को केवल डराती-धमकाती है

आप दिल्ली अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस कानून का पालन करने वाली जनता को केवल डराती-धमकाती है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि दिल्ली में हालात दिन-ब-दिन बदतर होते जा रहे हैं। पुलिस सिर्फ़ राजनीतिक कार्यों में व्यस्त है। पुलिस सिर्फ़ कानून का पालन करने वाली जनता को डराती-धमकाती है। चोरों, गुंडों और गैंगस्टरों को पुलिस का ज़रा भी डर नहीं है। उन्हें लगता है कि पैसे से सब कुछ मैनेज किया जा सकता है। हम पुलिस कमिश्नर से समय मांग रहे हैं।

चुन्नी प्रसाद को लेकर मार डाला

दिल्ली के कालकाजी मंदिर के एक सेवादार, योगेंद्र सिंह (35) की चुन्नी प्रसाद से जुड़े विवाद में हत्या कर दी गई। दिल्ली पुलिस के अनुसार, उत्तर प्रदेश के हरदोई के रहने वाले योगेंद्र सिंह 14-15 सालों से कालकाजी मंदिर में सेवा कर रहे थे। पुलिस को रात करीब 9:30 बजे एक पीसीआर कॉल मिली और वे तुरंत घटनास्थल पर पहुँचे। पूछताछ के दौरान पता चला कि आरोपी दर्शन के लिए कालकाजी मंदिर आए थे। आरोपियों ने सिंह से चुन्नी प्रसाद माँगा, जिससे बहस हो गई। बात इतनी बढ़ गई कि आरोपियों ने सिंह पर लाठियों और घूँसों से हमला कर दिया। पुलिस ने बताया कि पीड़ित को तुरंत एम्स ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहाँ इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

बीएनएस की धारा 103(1)/3(5) के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। दक्षिणपुरी निवासी 30 वर्षीय अतुल पांडे नामक एक आरोपी को स्थानीय लोगों ने मौके पर ही पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। आगे की जाँच जारी है। पुलिस ने बताया कि शेष आरोपियों की पहचान की जा रही है और उन्हें पकड़ने के प्रयास किये जा रहे हैं।

महायुति सरकार मराठा समुदाय के धैर्य की परीक्षा न ले : मनोज

» दूसरे दिन भी अपनी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल जारी, बोले- हम सिर्फ आरक्षण चाहते हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे ने मुंबई के ऐतिहासिक आजाद मैदान में शनिवार को दूसरे दिन भी अपनी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल जारी रखी और घोषणा की कि जब तक समुदाय की मांगें पूरी नहीं हो जातीं, वह पीछे नहीं हटेंगे। जरांगे और उनके समर्थकों को रात भर हुई बारिश के कारण मैदान पर कीचड़ से जूझना पड़ा और उन्होंने शौचालयों में पानी की कमी सहित पर्याप्त बुनियादी सुविधाएं न होने की शिकायत की।

जरांगे की मांग है कि सभी मराठों को नौकरी और शिक्षा में आरक्षण के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के तहत कुनबी के रूप में मान्यता दी जाए। मनोज जरांगे की मराठा आरक्षण के लिए सरकार से उनकी लड़ाई जारी है। हालाँकि, विरोध प्रदर्शन के पहले दिन प्रदर्शनकारियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। साथ ही, मनोज जरांगे सहित राज्य भर से हजारों प्रदर्शनकारी कारों में मुंबई में प्रवेश कर गए, जिससे कल से दक्षिण मुंबई में भारी ट्रैफिक जाम हो गया। इस बीच, मनोज जरांगे का विरोध आज़ाद मैदान में चल रहा है। हालाँकि, इसी आज़ाद मैदान में रोशनी उपलब्ध नहीं है। इसी के चलते, मनोज जरांगे ने कल (29 अगस्त) शाम मुंबई नगर निगम पर हमला बोला। आज़ाद मैदान में नगर निगम की कोई रोशनी नहीं है। आपकी क्या भिखारी चालें हैं... आपने 50-60 साल तक सत्ता का आनंद लिया है। आप भिखारी हैं, आपने अपने घर भर लिए हैं। आज़ाद मैदान में कोई साधारण रोशनी नहीं है। मनोज जरांगे ने कहा लड़कों... तुरंत 10-12 फोकस खरीदें... हम उन्हें इस नगर निगम को मुफ्त में दे देंगे... ये भिखारी हैं... । सरकार को पार्किंग स्थल घोषित करने चाहिए। पुलिस और सरकार को पार्किंग स्थलों का नक्शा लगाना चाहिए। मनोज जरांगे ने चेतावनी दी कि जितनी देर करोगे, मुंबई में मराठाओं की संख्या उतनी ही बढ़ेगी। मनोज जरांगे ने आगे कहा कि सरकार ने वादा किया है कि आज़ाद मैदान के आसपास के मैदान को पार्किंग के लिए खाली कर दिया जाएगा और मराठा शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन करेंगे।

इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करेंगे : उद्धव

» बोले- देश को पता चलना चाहिए कि धनखड़ ने अचानक इस्तीफा क्यों दिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। 9 सितंबर को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव से पहले, शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि पार्टी सर्वसम्मति से इंडिया ब्लॉक उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करेगी। ठाकरे ने आगे कहा कि उनकी पार्टी को अभी भी पता नहीं है कि पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अचानक इस्तीफा क्यों दिया।

ठाकरे ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि हम सर्वसम्मति से इंडिया ब्लॉक उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करेंगे। आगामी चुनाव देश के लिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि हमें उपराष्ट्रपति पद की गरिमा बनाए रखने के लिए मतदान करना है। हमें उस पद के लिए एक उपयुक्त व्यक्ति की आवश्यकता है। हमें नहीं पता कि पूर्व उपराष्ट्रपति को क्या हुआ कि उन्हें अचानक इस्तीफा देना पड़ा। इंडिया ब्लॉक ने उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी को अपना उम्मीदवार चुना है। यह घोषणा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इंडिया ब्लॉक की बैठक के बाद राष्ट्रीय राजधानी में की। एक दिन पहले, वीसीके के संस्थापक अध्यक्ष थोल थिरुमावलवन ने उपराष्ट्रपति धनखड़ को इस्तीफा देने के लिए मजबूर करने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना की। उन्होंने दावा किया कि इस कदम से देश में संकट पैदा हो गया है। उन्होंने विपक्षी दलों के सभी सांसदों से इंडिया ब्लॉक के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार, सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी को वोट देने का भी आग्रह किया।

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ पेंशन के लिए किया आवेदन

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राजस्थान विधानसभा में पेंशन के लिए आवेदन किया है। पूर्व विधायक होने के नाते उन्होंने स्पीकर वासुदेव देवनानी को पेंशन के लिए आवेदन भेजा। स्पीकर देवनानी ने आवेदन मिलने की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि नियमों के मुताबिक फैसला लिया जाएगा और सदन को जानकारी भी दी जाएगी। जगदीप धनखड़ 1993 में अजमेर जिले की किशनगढ़ विधानसभा सीट से कांग्रेस के टिकट पर विधायक चुने गए थे। वह राजस्थान की दसवीं विधानसभा के सदस्य थे। साल 1994 से 1997 तक वह विधानसभा की नियम समिति के सदस्य भी थे। राजस्थान में पूर्व विधायकों को 35 000 रुपये पेंशन मिलती है। 70 साल से ज्यादा उम्र के पूर्व विधायकों को 20 फीसदी ज्यादा पेंशन दी जाती है। जगदीप धनखड़ 74 साल के हैं इसलिए उन्हें अब 42 हजार रुपये पेंशन मिलेगी।

केरल में देसी बम बनाते समय धमाका, शरीर के उड़ गए चीथड़े

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केरल के कन्नूर में स्थित एक मकान में शनिवार सुबह विस्फोट से एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं कई लोग घायल भी हो गए। बताया जा रहा है कि धमाका देसी बम से हुआ था। यह विस्फोट इतना जबरदस्त था कि वहां मौजूद शख्स के शरीर के चीथड़े उड़ गए। पुलिस का कहना है कि देसी बम बनाते समय यह विस्फोट हुआ होगा।

धमाके के बाद मकान पूरी तरह मलबे में तब्दील हो गया। पड़ोस के घर भी इस धमाके में क्षतिग्रस्त हो गए और कई लोग घायल हो गए हैं। मौके पर फोरेंसिक एक्सपर्ट और बम निरोधक दस्ता मौजूद है। जानकारी के मुताबिक, विस्फोट में घायल हुए लोगों और मृत व्यक्ति की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। जिस घर में विस्फोट हुआ, उसके मालिक का नामकीझारा गोविंदन है। उन्होंने इसे पय्यानूर में स्पेयर पार्ट्स की दुकान चलाने वाले दो व्यक्तियों को पट्टे पर दिया था। विस्फोट के वक्त घर में कितने लोग मौजूद थे, इसका अभी पता नहीं चल पाया है। बता दें कि कन्नूर जिले में अवैध बम बनाने के कई मामले पहले भी सामने आते रहे हैं। अप्रैल 2024 में, सत्तारूढ़ भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी-मार्क्सवादी का एक कार्यकर्ता पनूर में इसी तरह के एक देसी बम विस्फोट में मारा गया था।

जारी है मौसम का कहर: जम्मू-कश्मीर में भूस्खलन से 7 की मौत

रामबन में बादल फटा, चार की मौत पंजाब के 250 गांवों में बाढ़, आठ की जान गई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले के बदर गांव में शनिवार सुबह लैंडस्लाइड हुई। मलबे से अब तक 7 शव बरामद किए गए हैं। यहां और भी लोगों के फंसे होने की आशंका है। अन्य लोगों की तलाश जारी है। वहीं, रामबन के राजगढ़ में बादल फटने से 4 लोगों की मौत हो गई। 2 लोग लापता हैं।

यहां रेस्क्यू-सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश में मंडी के गोहर में देर रात बादल फटा था। नांडी पंचायत में नसेंणी नाला में कई गाड़ियां बह गईं। शिमला के जतोग कैंट में लैंडस्लाइड हुई। सेना की रेसीडेंशियल बिल्डिंगों को खाली कराया गया। पंजाब के अमृतसर, पठानकोट समेत 8 जिलों में बाढ़ के हालात बने हैं। 250 से ज्यादा गांवों में 5 से 15 फीट तक पानी भरा हुआ है। बाढ़ में अब तक 8 लोगों की मौत हो गई है। 3 लोग लापता हैं। उत्तराखंड के चमोली, रुद्रप्रयाग, टिहरी और बागेश्वर में शुक्रवार को बादल फटने की घटनाएं हुईं। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई और 11 लापता हैं। बागेश्वर के कपकोट में कई घरों को भी नुकसान हुआ है।

यूपी के 18 जिले बाढ़ की चपेट में

यूपी के 18 जिले बाढ़ की चपेट में है। राज्य में अब तक 774 मकान बारिश-बाढ़ में ढह चुके हैं। वाराणसी में सभी 84 घाटों का आपसी संपर्क टूटा है। जम्मू-कश्मीर के कटरा में बारिश के कारण वैष्णो देवी यात्रा 5 दिन से रुकी है। 26 अगस्त को यात्रा रूट पर लैंडस्लाइड में 34 लोगों की मौत हुई थी। महाराष्ट्र के लातूर और नांदेड़ में 50 सड़कें-पुल डूब गए हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।